मगरमच्छ की मास्टरपीस पेंटिंग

मैक्स

मगरमच्छ एक महान कलाकार बनने के लिए कड़ी मेहनत करता है. वो हर दिन एक चित्र बनाता है. पर लाख कोशिशों के बाद भी कोई उसके स्टूडियो में कोई पेंटिंग खरीदने नहीं आता है. अंत में हाथी अपने कमरे की दीवार पर लटकाने के लिए कुछ खास ढूंढता है. लेकिन मगरमच्छ के चित्रों में से केवल एक को चुनना कोई आसान काम नहीं है - क्योंकि वे सभी बहुत सुंदर हैं! हाथी का अनिर्णय मगरमच्छ के लिए प्रेरक साबित होता है. वो अपने पहले ग्राहक को खुश करने के अपने उत्साह को और भी अधिक रचनात्मक ऊंचाइयों पर ले जाता है. उसके आश्चर्यजनक परिणाम निकलते हैं और सच्चे अर्थों में एक उत्कृष्ट कृति बनती है - कल्पना की शक्ति के लिए एक सुन्दर श्रद्धांजलि.

मगरमच्छ की मास्टरपीस पेंटिंग

मैक्स
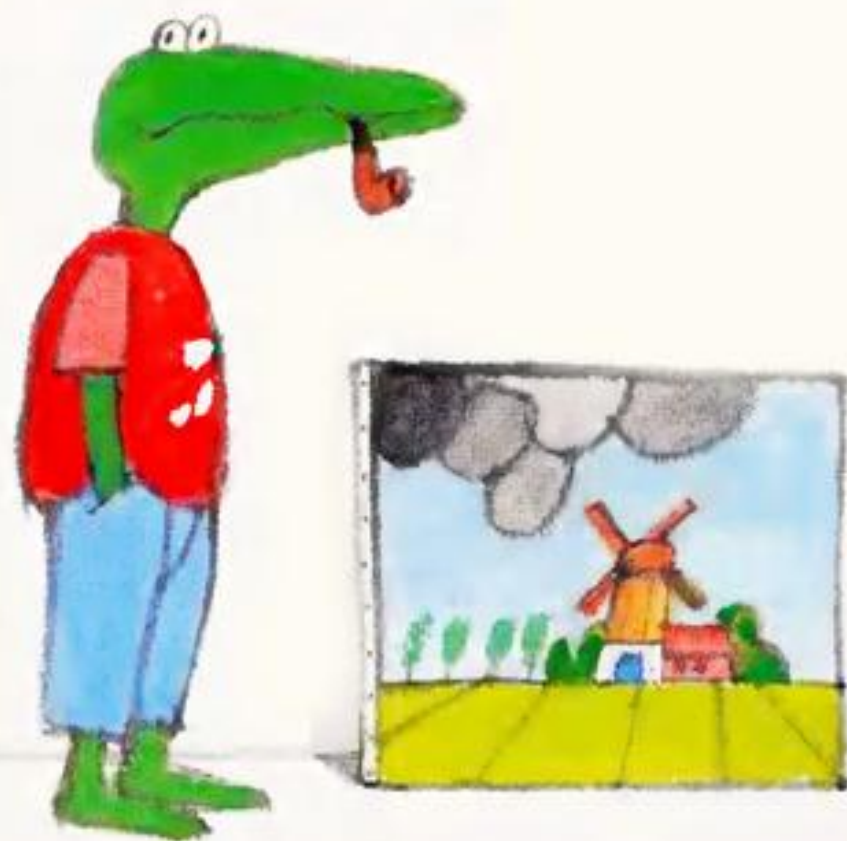
मगरमच्छ एक महान कलाकार था. वो कड़ी मेहनत करता और हर दिन एक नया चित्र बनाता था. लेकिन कोई भी स्टूडियो में उसकी पेंटिंग खरीदने नहीं आता था.
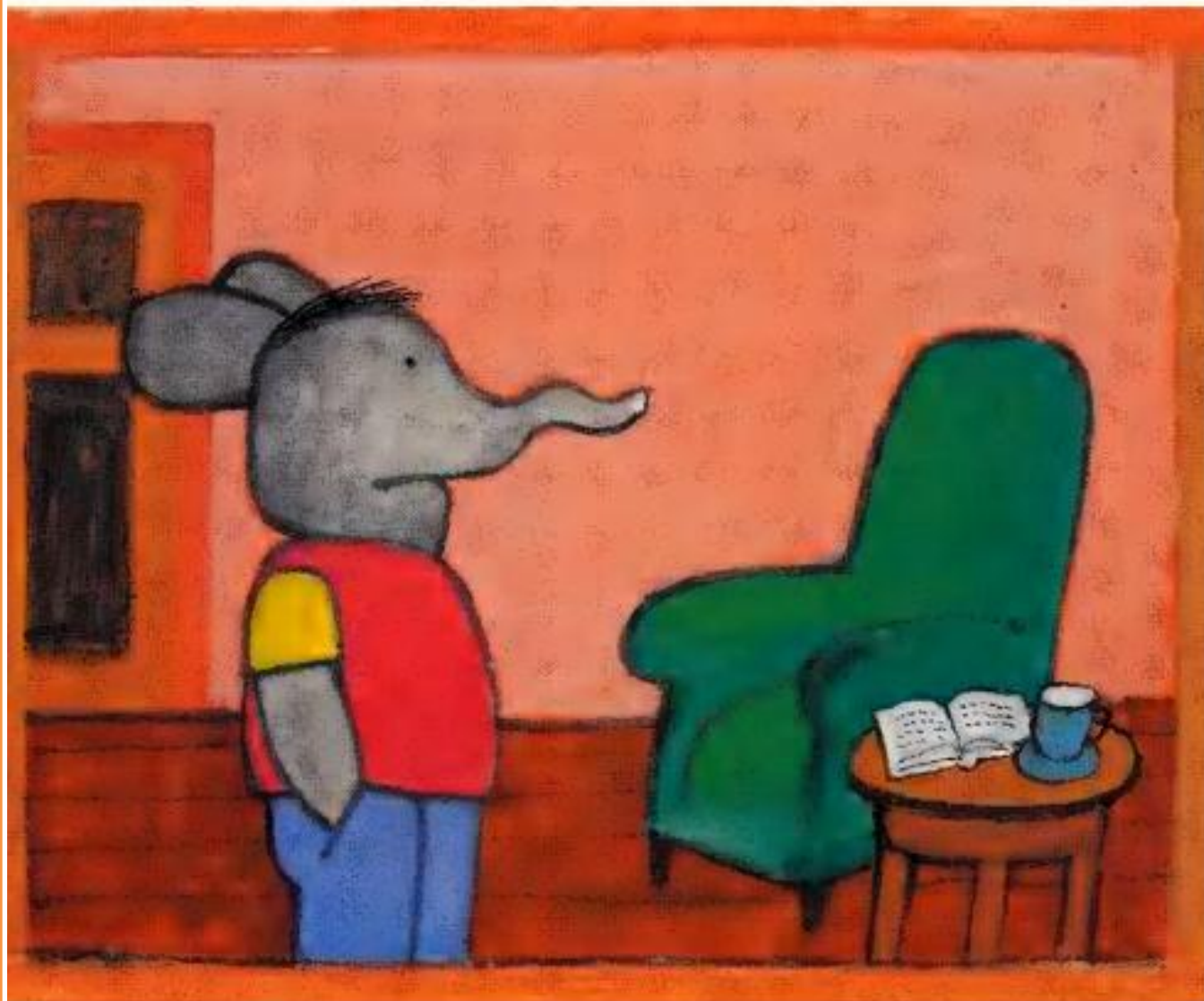
उसके बगल में ही एक हाथी रहता था. उसे अपने घर से बहुत प्यार था, हालांकि उसे घर में कुछ कमी भी लगती थी. घर सुन्दर दिखने के लिए हाथी को दीवार पर टांगने के लिए एक अच्छी पेंटिंग की जरूरत थी.

"मैं अपने पड़ोसी, आर्टिस्ट से मिलने जाऊंगा," हाथी ने कहा. "शायद वो मेरी मदद कर सके." फिर वो मगरमच्छ के घर गया और उसने दरवाजा खटखटाया.

"हेलो," मगरमच्छ ने कहा. "मैं आपकी क्या मदद कर सकता हूँ?"

"मैं एक पेंटिंग खरीदना चाहता हूँ," हाथी ने कहा. "पेंटिंग के बिना मेरा घर बहुत खाली-खाली लग रहा है."

मगरमच्छ बहुत प्रसन्न हुआ. उसने अपने ब्रश को एक कोने में फेंका और फिर अपनी सारी पेंटिंग निकालीं.
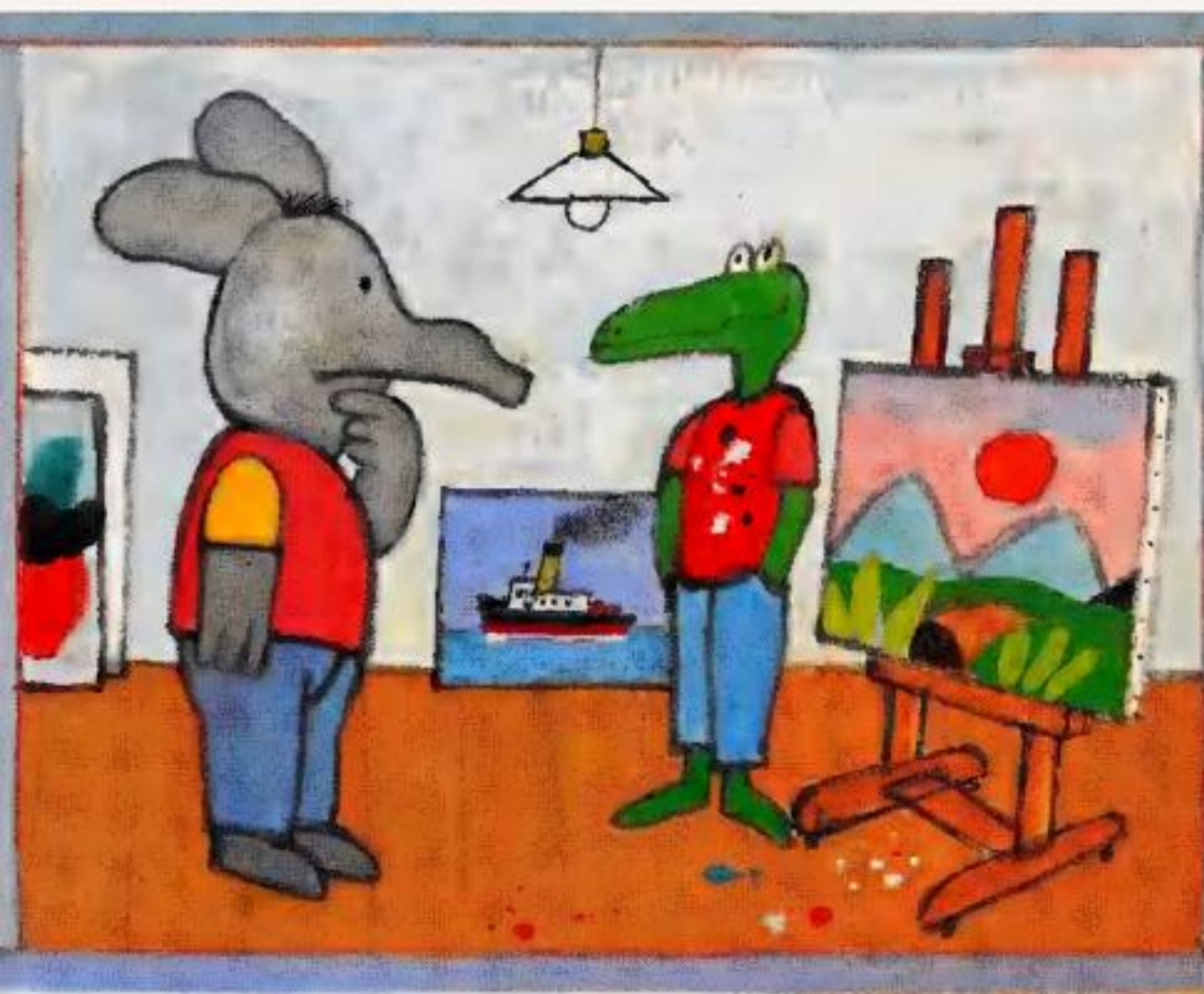
हाथी को सभी पेंटिंग इतनी सुंदर लगीं कि वो यह तय नहीं कर पाया कि वो उसमें से कौन सी खरीदे.

"मेरे दिमाग में एक विचार है," मगरमच्छ ने कहा. "मैं आपके लिए कुछ खास पेंट करूंगा - आपको उस पेंटिंग में वो हर चीज दिखेगी जिसे आप देखना चाहते होंगे! कृपाकर आप अगले हफ्ते वापस आएं."

हाथी उत्साहित होकर घर लौटा. उसे जल्द ही पता चला कि जब आप किसी चीज़ का इंतज़ार कर रहे होते हैं तो एक हफ्ता बहुत ही धीमी गति से बीतता है. इसलिए उसने अपने घर को पेंट करना शुरू किया.

फिर उसने पिछले हफ्ते के अख़बार दोबारा पढ़े. अंत में, हाथी के लिए अपनी नई पेंटिंग लेने जाने का दिन आ गया.

मगरमच्छ ने उसका गर्मजोशी से स्वागत किया. यह स्पष्ट था कि उसने पेंटिंग पर कड़ी मेहनत की थी. हर जगह पेंट के ट्यूब और ब्रश बिखरे हुए थे और उसके कपड़ों पर भी रंग पुता था. एक मुस्कान के साथ, मगरमच्छ ने एक पेंटिंग उठाई और वो हाथी को दी.

उसने घर की सफाई की और अपना बगीचा भी संवारा.

"यह रही आपकी विशेष पेंटिंग," मगरमच्छ ने गर्व से कहा.

"लेकिन, मगरमच्छ!" हाथी ने कहा, "इस पर कुछ भी नहीं बना है. यह तो एकदम कोरी, खाली है!"

"यह खाली दिखती है," मगरमच्छ ने चुपचाप कहा, "लेकिन आप अपनी आँखें बंद करें और किसी भी चित्र के बारे में सोचें."

"एक बर्फीला दृश्य," हाथी ने कहा, और फिर उसने अपनी आँखें बंद कीं. उसे बहुत आश्चर्य हुआ जब उसे शानदार सर्दियों में बर्फ पड़ने वाला एक चित्र दिखाई दिया, जैसा कि अक्सर क्रिसमस कार्ड पर बना होता है.

"शानदार!" वो चिल्लाया. "मैं इसे ले जाऊँगा."

फिर हाथी ने पेंटिंग के पैसे दिए और उसे अपने घर ले गया.
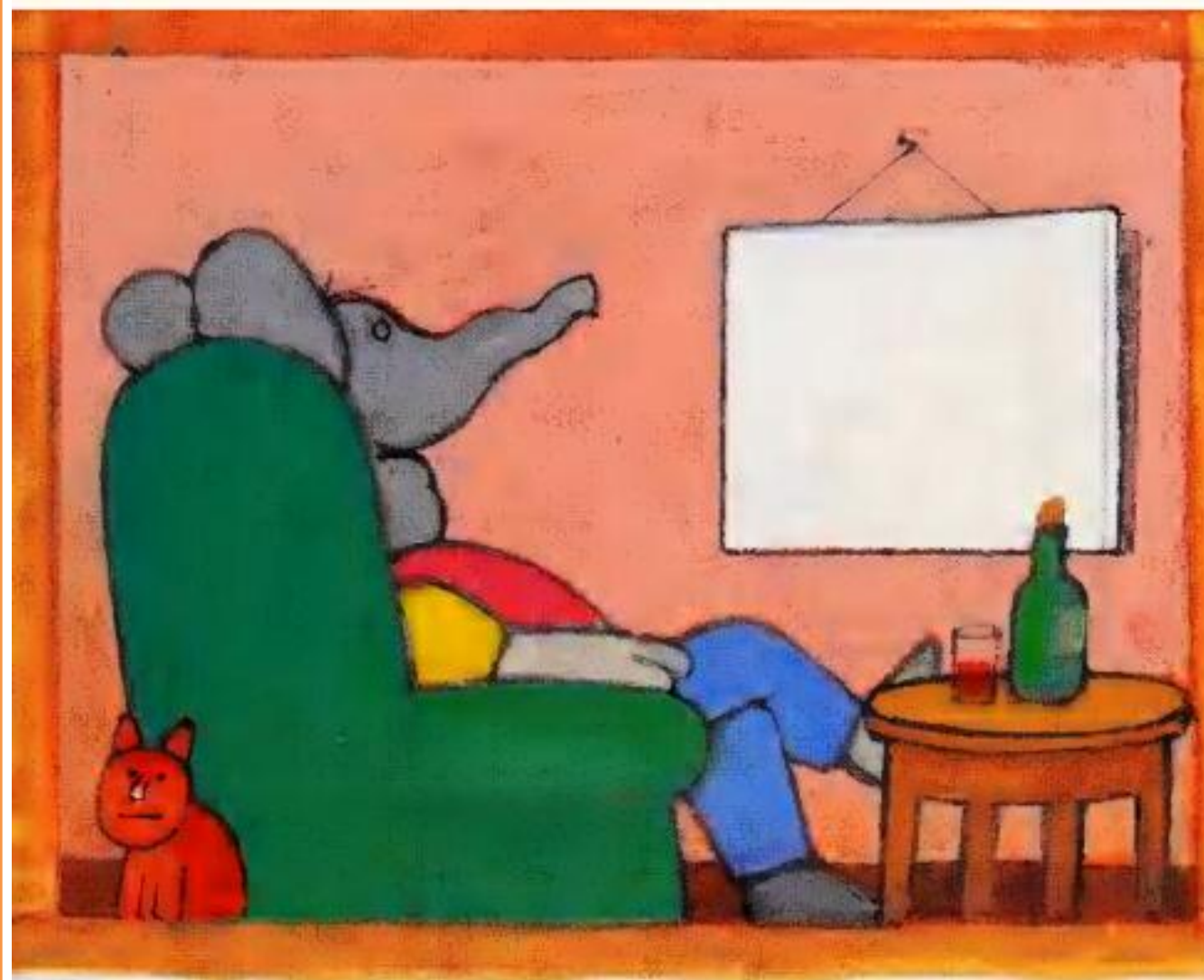
हाथी ने चित्र को ध्यान से दीवार पर लटका दिया और वो उसके सामने अपनी कुर्सी पर बैठ गया. फिर उसने आराम से अपनी आँखें बंद कर लीं.

उसे सबसे पहले, एक डच पवनचक्की दिखाई दी और आकाश में सफेद बादल दिखे, ठीक वैसे ही, जैसे वो चाहता था

उसके बाद, नीले पहाड़ों और सूर्यास्त के साथ एक ट्रॉपिकल दृश्य दिखाई दिया.

तभी उसे घोड़े पर एक सवार दिखाई दिया. हाथी खुद उसकी बागडोर थामे हुए था. उसने घोड़े को दौड़ाया और रात भर सरपट दौड़ा.

पेंटिंग लगातार बदलती रही.

मगरमच्छ बिल्कुल सही था, हाथी को भी वो एक नायाब कृति लगी!

इस तरह दिन बीतते गए और हाथी मुश्किल से ही अपनी कुर्सी से उठा. उसके कारण उसका बगीचा उजाड़ होने लगा.

एक रात बहुत गर्मी थी और हाथी को नींद नहीं आ रही थी. वो बिस्तर में इधर-उधर करवटें बदल रहा था.

यह बड़े अफ़सोस की बात है कि मेरी उत्कृष्ट पेंटिंग मेरे शयनकक्ष में नहीं है. अगर वो होती तो मैं इस समय हिमपात का आनंद ले सकता था, उसने सोचा. लेकिन जब उसने अपनी आँखें बंद कीं, तो सफेद पहाड़ों में एक छोटा सा गाँव उसे बहुत स्पष्ट दिखाई दिया. धूसर आकाश में से नीचे बर्फ गिर रही थी.

हाथी अपने बिस्तर से कूदा. "यह क्या हो रहा है?" वो आश्चर्य में चिल्लाया.

उसने बार-बार अपनी आँखें बंद कीं. हर बार, वो जो कुछ भी चाहता था वह प्रकट हो जाता था, चाहे वो कहीं भी हो - रसोई में या हॉल में. वैसे वो पेंटिंग स्थाई रूप से अभी भी बैठक वाले कक्ष में लटकी हुई थी.

अगली सुबह हाथी अपने पड़ोसी के पास वापस गया.

"मगरमच्छ," उसने गुस्से में कहा, "तुमने मुझे धोखा दिया है! देखो, मुझे एक असली पेंटिंग चाहिए!"

"आप चाहें तो उसे बदल सकते हैं," मगरमच्छ ने कहा. वो बिल्कुल परेशान नहीं था. "आप जो चाहें वो पेंटिंग चुन सकते हैं."

एक बार फिर, हाथी अपना मन नहीं बना सका. सूर्यास्त, समुद्र में एक जहाज, फलों के साथ एक शांत जीवन. वे सभी पेंटिंग बहुत सुंदर थीं!

लेकिन उस जैसी मास्टर कृति जैसी वहां कोई अन्य तस्वीर नहीं थी.

"मैंने आपसे क्या कहा था?" मगरमच्छ ने कहा, "यह पेंटिंग एक बहुत ही विशेष पेंटिंग है."

"हाँ, तुम्हारी बात सही है," हाथी ने उत्तर दिया. "अब मैं उस उत्कृष्ट कृति की वास्तविक सुंदरता को समझ रहा हूं."

फिर उसने उस सफेद कैनवास को अपनी बांह के नीचे रखा और जल्दी से घर वापिस गया.

वो अब ख़ुशी-ख़ुशी अपनी कुर्सी पर बैठ गया और वो हमेशा के लिए खुश रहने लगा.

और मगरमच्छ? उसने उन असाधारण सफेद पेंटिंग जैसी अन्य तमाम पेंटिंग बनाईं, जो अब भी दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं, और हर जगह संग्रहालय में उनकी प्रशंसा होती है.

समाप्त